BAPPA SRI NARAIN VOCATIONAL POST GRADUATE COLLEGE (KKV)

STATION ROAD, CHARBAGH, LUCKNOW, UTTAR PRADESH-226001

PROF. SANJAI MISRA
PRINCIPAL
EMAIL:bsnvpgc1954@gmail.com
MOB. NO.: 0522-2635513

DATE: 20/04/2023

रिपोर्ट

लखनऊ लिटरेरी क्लब एवं साकार जागृति प्रवाह समिति के संयुक्त तत्वाधान में उत्तर प्रदेश संगीत नाटक अकादमी में दिनांक 15/04/2023 को आयोजित संस्कृति एवम सोशल मीडिया विषय पर बीएसएनवी पी जी कॉलेज के छात्र -छात्राओं द्वारा सोशल मीडिया के प्रभाव विषयक नाटक डिजिटल डेथ को प्रस्तुत किया गया । नाटक का कथानक एक अबोध छात्र किस प्रकार सोशल मीडिया पर उपलब्ध अवांछित अश्लील सामग्री की भेंट चढ़ जाता है, उसका जीवन दिशाहीन हो जाता है और उसकी परिणिति अत्यंत दुखद होती है।

नाटक में हर्षित श्रीवास्तव ने छोटू के बचपन का , याशिका शर्मा ने उनकी माता का, अमर सिंह और अनुराग तिवारी ने छोटू के दोस्त का तथा गौरव श्रीवास्तव ने छोटू की ही युवावस्था का और अंशिका ने उनकी बचपन की दोस्त , सतीश सिंह नेगी ने बुजुर्ग का किरदार निभाया।

इस नाटक की लेखिका डॉ अंजलि अस्थाना, निर्देशक प्रोo ज्योति काला का ये प्रयास रोचक, प्रभावी एवं जागरूकता उत्पन करने वाला रहा । दर्शकों ने काफ़ी सराहना की।

इस कार्यक्रम की अध्यक्ष पद्मश्री डॉक्टर विद्या बिंदु सिंह ने नाटक तथा छात्र-छात्राओं के प्रयास की सराहना करते हुए इंगित किया कि सामाजिक जागरूकता के लिए इस प्रकार की कोशिशें निरंतर होती रहनी चाहिए। सभी महाविद्यालयों में इस विषय पर संगोष्ठी और विद्यार्थियों से संवाद तथा विचार विमर्श की महती आवश्यकता है, इसलिए बीएसएनवी पीजी कॉलेज की यह प्रस्तुति प्रासंगिक है और और इसका प्रचार-प्रसार होना चाहिए।

सोशल मीडिया से युवा हो रहे दिशाहीन

लखनऊ। संगीत नाटक अकादमी में शनिवार को लखनऊ लिटरेरी क्लब व साकार जागृति प्रवाह समिति ने संस्कृति एवं सोशल मीडिया विषय पर संगोष्ठी का आयोजन किया। मुख्य अतिथि साहित्यकार विद्या बिंदु सिंह व

पत्रकार दुर्गा शर्मा थे। अवसर पर बीएसएनवी पीजी कॉलेज के विद्यार्थियों ने नाटक 'डिजिटल डेथ' पेश किया। इसमें दिखाया गया कि कैसे सोशल मीडिया के कारण युवा दिशाहीन हो रहे हैं। इसमें हर्षित श्रीवास्तव, यशिका शर्मा ने अभिनय किया। नाटक का लेखन डॉ. अंजलि अस्थाना और निर्देशन प्रो. ज्योति कला का रहा। (संवाद)

डिजिटल डेट का हुआ मंचन

डॉक्टर पद्मजा पांडे
राष्ट्रीय नवल टाइम्स

लखनऊ ! आज दिनांक 15 अप्रैल 20 23 को साकार जागृति प्रवाह समिति, लखनऊ लिटरेरी क्लब, आरजीएस कॉलेज ऑफ फार्मेसी, कृष्ण प्रताप विद्या बिंदु लोकहित न्यास, टैलेंट हट फाउंडेशन , शिव सिंह सरोज स्मारक समिति, अथर्व इंडिया अंतरराष्ट्रीय शोध संस्थान के संयुक्त तत्वाधान में उत्तर प्रदेश संगीत नाटक अकादमी की रसमंच योजना के अंतर्गत डॉक्टर अंजली अस्थाना द्वारा लिखित तथा प्रोफेसर ज्योति काला द्वारा निर्देशित नाटक डिजिटल डेथ का मंचन किया गया। नाटक बीएसएनवी पीजी कॉलेज के छात्रों द्वारा अभिनीत हुआ। नाटक में अत्यंत संवेदनशील ढंग से सोशल नेटवर्किंग साइट पर बच्चों की अश्लील व वल्गर कंटेंट में अभिरुचि और अपनी जिम्मेदारियों से भागना तथा नैतिक मूल्य का हनन के साथ–साथ बच्चे किस प्रकार आत्महत्या की ओर प्रेरित हो रहे हैं यह दिखाया गया। नाटक के साथ–साथ सोशल नेटवर्किंग साइट पर अनचाहे ही आने वाले अश्लील कंटेंट और मोबाइल तथा अन्य गैजेट की गलत लतो का शिकार जिस प्रकार किशोर पीढ़ी हो रही है उसे ध्यान में रखते हुए एक राष्ट्रीय संगोष्ठी संस्कृति और सोशल मीडिया विषय पर आयोजित की गई। संगोष्ठी में स्वागत वक्तव्य डॉक्टर करुणा पांडे द्वारा किया गया। प्रोफेसर ज्योति काला ने विषय प्रवर्तन किया।सुश्री अंकिता एवं डॉक्टर मनीषी त्रिवेदी ने सर्वे रिपोर्ट प्रस्तुत की जिसमें सोशल नेटवर्किंग साइट पर इस प्रकार के कंटेंट को किस प्रकार देखा जा रहा है और किस प्रकार किशोर पीढ़ी अपना कीमती समय बर्बाद कर रही है स्पष्ट हुआ। अधिवक्ता शरद मिश्र सिंधु द्वारा विषय के संदर्भ में कानूनी स्थितिया क्या है एवं इस प्रकार के कंटेंट को प्रमोट करने पर सजा के क्या–क्या प्रावधान है विस्तार से बताया। अधिवक्ता एवं समाजसेवी वी बी पांडे ने कहा समाज माता पिता भाई बहन मामा फूफा आदि से बनता है जबकि सोसाइटी साथ रहने वालों का झुंड मात्र है। झुंड एक दूसरे की देखभाल मुश्किल है जबकि समाज देखभाल पर ही टिका है। वर्तमान में विलंब से विवाह एक बहुत बड़ा कारण है जिससे इस प्रकार के कंटेंट को बढ़ावा मिल रहा है। सुश्री स्वाति शर्मा बताया की बचपन से ही आज किस प्रकार हम बच्चे के हाथ में गजट देकर अपनी जिम्मेदारियों को बचा लिया जाता है वह बाद में कितना घातक रूप लेकर सामने आता है हम सब देख रहे हैं। मीडिया देखी जा रही सामग्री से बच्चे में वर्चुअल ऑटिज्म की स्थिति पैदा होती है वह आज इंदौर ही क्रिकेट कैरम जिसे खेल खेलता है जो उसके स्वास्थ्य के लिए ठीक नहीं है। यह नकली दुनिया के खेल उसे नकली बनाने की ओर ले जाएंगे। दूरदर्शन से जुड़ी सुश्री दुर्गा शर्मा ने कहा की सोशल मीडिया पर सब कुछ बुरा ही नहीं है। पूरे विश्व को जुड़ने के लिए एक खिड़की खुली है हमें इस खिड़की का सकारात्मक उपयोग करना चाहिए। वरिष्ठ मनोचिकित्सक प्रोफेसर अभिषेक पाठक ने विस्तार से बताया कि यह बच्चों मे जो एडिक्शन पैदा हो रहा है वह न्यूरोलॉजिकल बीमारी है। आज 11ऋ12 वर्ष तक के बच्चे सेक्सुअल बिहेवियर इस कंटेंट की गिरफ्त में आकर दिखा रहे हैं। इसका दुष्प्रभाव यही तक नहीं है नींद बाधित होना, रेस में पिछड़ जाने का भय अनरियल कंटेंट के कारण असंतुष्टी जैसी स्थितियों का भी सामना करना पड़ रहा है। आज एक छत के नीचे रहते जरूर हैं फिर भी मोबाइल से जुड़े होने के कारण आभासी समीप ता अनुभव करते हुए हम दूर दूर हैं। आरजीएस कॉलेज ऑफ फार्मेसी के डायरेक्टर डॉ भरत मिश्र ने समाधान के रूप में जो तथ्य कहे उनमें प्रमुख हैं कि हम अनचाहे बच्चे को अपने बीच ना लाएं जब हम बच्चे के लिए उसके मां–बाप बनने को पूरी तरह से तैयार हो तभी बच्चे का जन्म हो। जब बच्चा हमारे बीच हो तो उसके साथ हम अपना भावनात्मक संबंध स्थापित रखें जिससे बच्चा भटकने से बच जाए। उसे बड़ी बातें बताएं सिखाएं और वरीयता क्रम बनाना बताएं जिससे वह सबसे महत्वपूर्ण बात को सबसे पहले चुन सके तथा इस प्रकार का महत्वहीन कंटेंट देखने से खुद को बचा पाए। संगोष्ठी की अध्यक्षता पदम श्री डॉ विद्या बिंदु सिंह ने की और अध्यक्षीय वक्तव्य में बताया कि हमें संयुक्त परिवार की अवधारणा पर वापस लौटना होगा सिर्फ यही विकल्प है जिससे हम अपनी भावी पीढ़ी को अनुचित दिशा में जाने से रोक सकते हैं। भारती सिंह के धन्यवाद ज्ञापन के साथ संगोष्ठी समाप्त हुई। संगोष्ठी का संचालन अंजली अस्थाना द्वारा किया गया।

प्रकाशक, मुद्रक, स्वामी नवल किशोर त्रिपाठी द्वारा लक्ष्मी ऑफसेट, देवपुरी भवन, संजय गांधीपुरम फैजाबाद रोड, लखनऊ (उ०प्र०) से मुद्रित तथा ६१०/४४५-ए केशवनगर सीतापुर रोड लखनऊ (उ०प्र०) से प्रकाशित ।

सम्पादक

नवल किशोर त्रिपाठी

मो० 9415584292

आर.एन.आई.

-यू०पी०एच०आई०एन०/२००८/२४३८२

सभी विवादों का न्याय क्षेत्र लखनऊ न्यायालय होगा।

Email-navaltripathi-nt@gmail-com

Prof. Sanjai Misra
(**Principal**)